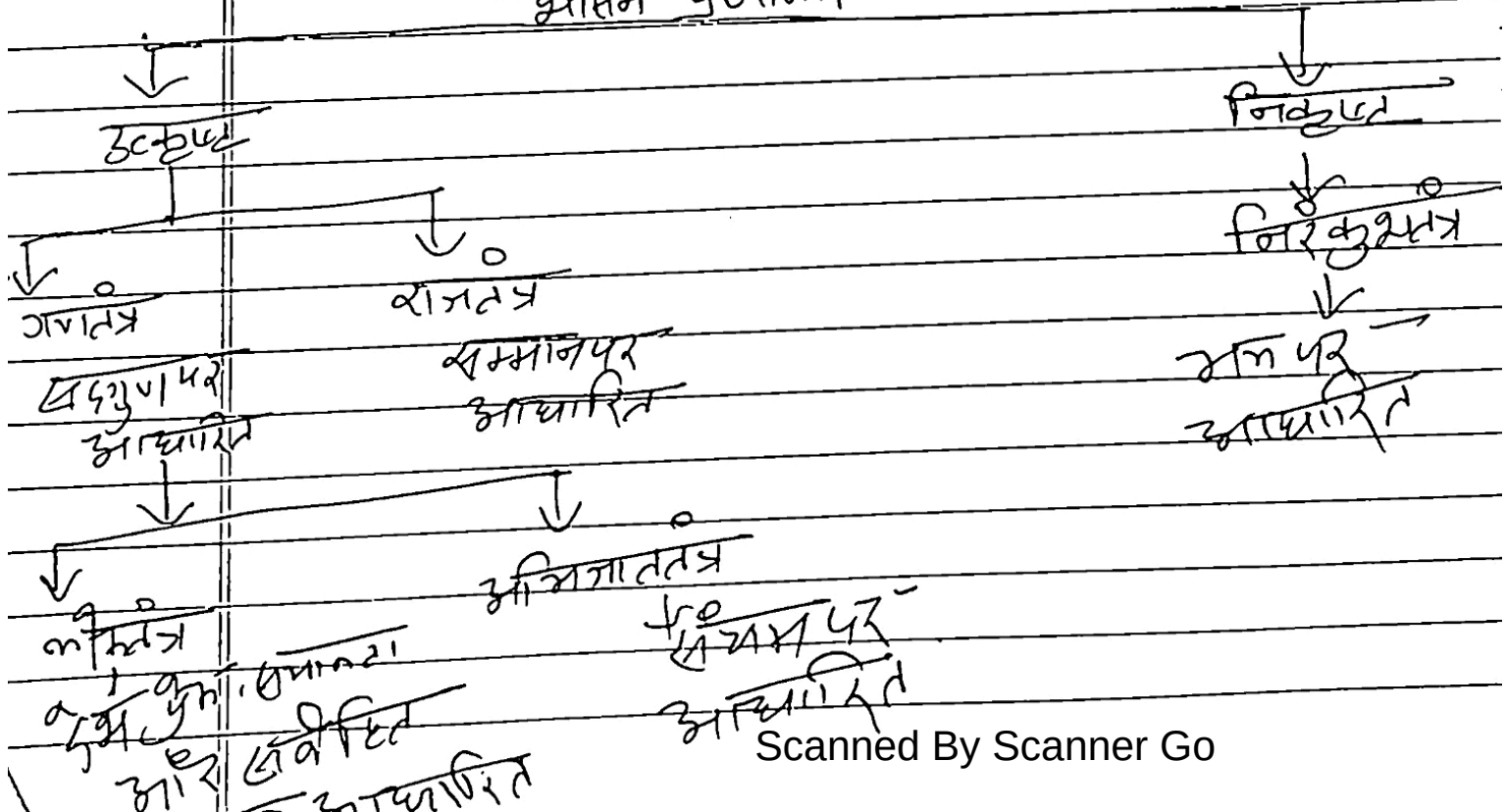


- \* शासन प्रणालियों के तीन मुख्य रूप हैं: ① गणतंत्र (Republic) ② राजतंत्र (Monarchy) और निरंकुश तंत्र (Despotism)
- \* इनमें पहली दो उल्लेख्य शासन-प्रणालियाँ हैं, तीसरी निकृष्ट है।
- \* गणतंत्र में प्रमुखता पूरे जन समुदाय या किन्हीं परिवारों के हाथ में रहती है।
- \* इसका मूल सिद्धान्त सदस्यता या सदाचार है। मातृस्वयु ने इसकी दो उपभूतियाँ स्वीकार की हैं:
  - क - लोकतंत्र और ख - अभिजाततंत्र
- \* अभिजाततंत्र का उदाहरण तत्कालीन वैनिश गणराज्य था जहाँ प्रमुखता का श्रुत अभिजातवर्ग ने संभाल रखा था।
- \* संविधानवाद के क्षेत्र में मातृस्वयु का योगदान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। उसने लिखा है कि मनुष्य खल जगह मनावर्गों के वर्ग में ही जन्म लेता है जिस निरंकुश तंत्र की स्थापना की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।

मातृस्वयु का शासन प्रणाली वर्गीकरण

शासन प्रणाली



- \* मातृस्वयं की तत्कालीन इंग्लैण्ड की आसन प्रणाली में ये सारी विशेषताएँ दिखाई दीं अतः उन्हें इसे एक आदर्श प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किया।
- \* मातृस्वयं ने पहले अग्रग दार्मनिक जो न लोक ने आसन की कार्यकारी, विधायी और न्यायिक अक्षितता में अन्तर स्पष्ट किया था।
- \* मातृस्वयं ने यह मांग रखी की एक व्यक्ति को इसी अक्षित पर रोक लगानी चाहिए इस तरह मातृस्वयं ने सीमित आसन के सिद्धांत की नींव रखी।

per-sc (Hons)  
part - I  
paper - II

Dr. Rama Kant Pandey  
S.R.A.P. College  
Bara Chakiya  
East Champaran  
Bihar.